





# मानसून की जोरदार बारिश से मौसम खुशनुमा, आज भी बरसात

विशेष संवाददाता (vol)



लखनऊ। राजधानी में रविवार को मानसून की जोरदार बारिश से लोगों ने बड़ी राहत महसूस की। पिछले कई दिनों से गर्मी से राहत मिलने का इंतजार कर रहे थे। मुबह से अलग-अलग इलाकों में छिपटुप बारिश हुई, दोपहर बाद बादल झामक कर बरसे। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में मानसून ट्रॉलाइन खिसक कर रह मध्य योगी की तरफ आ गया है। इसके असर से 30 जून से 5 जुलाई तक पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश की सभावना है। मौसम विभाग के अनुसार सरेजी नगर के बीच में 6.0 मिलीमीटर, अलीगंज में 6.0 मिलीमीटर, कुसीरोड और जानकीपुर में 3.7 मिलीमीटर बारिश हुई। एयरपोर्ट के असपास आशियाना, अलमबाबा आदि इलाकों में 4.6 मिलीमीटर बर्बादी की गई।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के विशेष विज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि रविवार को दक्षिण पश्चिमी मानसून पश्चिमी योगी के बचे हुए हिस्से से मौसम पूरे प्रदेश में सक्रिय हो रहा है। मानसून की ट्रॉफ लाइन खिसक कर रह मध्य योगी की तरफ आ गया है।

लखनऊ। राजधानी में रविवार को

## नाले की सिल्ट, कूड़े से फैल रही गंदगी

नालों की सफाई के बाद सिल्ट व कूड़ा न उठाए जाने से सड़कों पर गंदगी फैल गई। वहाँ सिल्ट वापस नाले में जाने से जलनिकारी प्रभावित हो गई। ट्रॉसंगोमरी के रहीम नगर चौराहे से विकास नगर मोड़ तक एक तरफ के नाले की सफाई शनिवार को कराई गई मानसून रबर योजना, अलमबाबा, पटेल नगर, बाराबरिबां मंडी, एलडीए कॉलोनी कानपुरो रोड, गोपालपुरी, आजादनगर, नीलमथा कॉलोनी समेत शहर के कई इलाकों की स्थिति बेहद खराब है। ट्रॉसंपोर्ट नगर से डॉ भीमप्रसाद हक विश्वविद्यालय के जोड़ने वाले गंदगी फैल गई। रहीम नगर, नीलवेट पॉलिटेक्निक गेट नंबर 1 के पूरे कूड़ा पड़ा घर पर कूड़े का ढेर वहाँ जलभराव की वजह बन गया है। कर्चर ने नाले की निकारी बाधित कर दी है। बारिश होने पर कूड़ा पड़ी सड़क पर फैल जाता है तो बारिश का पानी पूरी सड़क पर भर जाता है। इससे वहाँ निकलने के दौरान ट्रैफिक जाम की समस्या हो जाती है तो लोगों को गंदगी के बीच होकर गुजरना पड़ता है। रविवार को भी घटे भर की बारिश के समय कुछ ऐसी ही स्थिति यहाँ थी। इसी तरह बाराबरिबां मंडी, गौतम बुद्ध शास्ति उपवन के पीछे की सड़क, सभी स्थानों पर कर्चर के बड़े-बड़े ढेर लगे हैं। नगर निगम प्रशासन की ओर से हर रोज 2000 मिट्रिक्टन कूड़ा उठान का दावा किया गया जो जून के औसत तापमान से छह डिग्री कम रहा। इसी प्रकार न्यूनतम तापमान 25.4 पर रहा जो कि असीस से तकरीबन दो डिग्री कम था। जिसे वह मनमानी कर रहा है। सफाई नहीं कर रही है और उसे नियमित भगतान किया जा रहा है।

सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर खिसक कर रही है। वह पंजाब के फिरोजपुर से सोनीपत, अंग्रेजी, गया और पुरुषलिया होते हुए जा रही है। साथ ही बंगल की खाड़ी में निम्न दाब की स्थिति से इसको मजबूती मिल रही है इसके अलावा खट्टर के रप्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। धीरे धीरे पूरे उत्तर प्रदेश में मानसून अधिक सक्रिय हो रहा है। इसे में मानसून की सक्रियता अगले एक दिन और बढ़ने का प्रवान्मान है। रविवार को अधिक घटे के बीच बारिश की प्रभाव से प्रदेश के साथ 30-40 किमी प्रति घण्टा के बीच बढ़े भर की बारिश की स्थिति बदल रही है। इससे वहाँ निकलने के दौरान ट्रैफिक जाम की समस्या हो जाती है तो लोगों को गंदगी के बीच होकर गुजरना पड़ता है। रविवार को भी घटे भर की बारिश के समय कुछ ऐसी ही स्थिति यहाँ थी। इसी तरह बाराबरिबां मंडी, गौतम बुद्ध शास्ति उपवन के पीछे की सड़क, सभी स्थानों पर कर्चर के बड़े-बड़े ढेर लगे हैं। नगर निगम प्रशासन की ओर से हर रोज 2000 मिट्रिक्टन कूड़ा उठान का दावा किया गया जो जून के औसत तापमान से छह डिग्री कम रहा। इसी प्रकार न्यूनतम तापमान 25.4 पर रहा जो कि असीस से तकरीबन दो डिग्री कम था। जिसे वह मनमानी कर रहा है। सफाई नहीं कर रही है और उसे नियमित भगतान किया जा रहा है।

## स्वच्छता सर्वेक्षण रैकिंग में सुधार पर खर्च होंगे 55 करोड़

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। शहरों की स्वच्छता सर्वेक्षण की रैकिंग में सुधार को लेकर नव योर्से से कार्ययोजना बनाई जा रही है। इसके लिए इंदौर की तर्ज पर शहरों की सफाई व्यवस्था होगी। इसके अलावा अलीगंज 54.51 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इंदौर देश के सबसे सफाई-सुधार शहरों में है और हर साल स्वच्छता रैकिंग में सर्वाधिक उपकारण के रूप मिलता है। इसीलिए उत्तर प्रदेश के शहरों की सफाई गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए नई पहल की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शहरों की सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये हैं। उनके निर्देश पर शुरू हुए काम पर शहरों की स्वच्छता रैकिंग में सुधार की तरफ आ रही है, लेकिन अभी भी पुरस्कारों की संख्या उत्तर प्रदेश दूसरे राज्यों से पीछे है। नगर निगम विभाग इसीलिए शहरों की ओर बहेतर बनाने के लिए कार्ययोजना बनाने के लिए उत्तर प्रदेश के शहरों की सफाई का विवरण आ रही है। इसके अलावा अलीगंज 54.51 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इंदौर देश के सबसे सफाई-सुधार शहरों में है और रात्रिकालीन सफाई की व्यवस्था हो सकती है। खुले स्थानों पर कूड़ाइ से कूड़ा डालने पर प्रतिबंध लगाने के लिए जरूरत के मुताबिक डटर्निक रखवाए जाएंगे, जिससे सड़कों पर इधर-उधर कूड़ा बिखरा हुआ न दिखाई पड़े। पुराने कूड़ा स्थलों की सफाई कराकर वहाँ रुपये के बिना एक नियम लगाया जाएगा। इसके अलावा अलीगंज 54.51 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यहाँ घटना की व्यवस्था हो सकती है। खुले स्थानों पर कूड़ाइ से कूड़ा डालने पर प्रतिबंध लगाने के लिए जरूरत के मुताबिक डटर्निक रखवाए जाएंगे, जिससे सड़कों पर इधर-उधर कूड़ा बिखरा हुआ न दिखाई पड़े। पुराने कूड़ा स्थलों की सफाई कराकर वहाँ रुपये के बिना एक नियम लगाया जाएगा। इसके अलावा अलीगंज 54.51 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यहाँ घटना की व्यवस्था हो सकती है। खुले स्थानों पर कूड़ाइ से कूड़ा डालने पर प्रतिबंध लगाने के लिए जरूरत के मुताबिक डटर्निक रखवाए जाएंगे, जिससे सड़कों पर इधर-उधर कूड़ा बिखरा हुआ न दिखाई पड़े। पुराने कूड़ा स्थलों की सफाई कराकर वहाँ रुपये के बिना एक नियम लगाया जाएगा। इसके अलावा अलीगंज 54.51 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यहाँ घटना की व्यवस्था हो सकती है। खुले स्थानों पर कूड़ाइ से कूड़ा डालने पर प्रतिबंध लगाने के लिए जरूरत के मुताबिक डटर्निक रखवाए जाएंगे, जिससे सड़कों पर इधर-उधर कूड़ा बिखरा हुआ न दिखाई पड़े। पुराने कूड़ा स्थलों की सफाई कराकर वहाँ रुपये के बिना एक नियम लगाया जाएगा। इसके अलावा अलीगंज 54.51 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यहाँ घटना की व्यवस्था हो सकती है। खुले स्थानों पर कूड़ाइ से कूड़ा डालने पर प्रतिबंध लगाने के लिए जरूरत के मुताबिक डटर्निक रखवाए जाएंगे, जिससे सड़कों पर इधर-उधर कूड़ा बिखरा हुआ न दिखाई पड़े। पुराने कूड़ा स्थलों की सफाई कराकर वहाँ रुपये के बिना एक नियम लगाया जाएगा। इसके अलावा अलीगंज 54.51 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यहाँ घटना की व्यवस्था हो सकती है। खुले स्थानों पर कूड़ाइ से कूड़ा डालने पर प्रतिबंध लगाने के लिए जरूरत के मुताबिक डटर्निक रखवाए जाएंगे, जिससे सड़कों पर इधर-उधर कूड़ा बिखरा हुआ न दिखाई पड़े। पुराने कूड़ा स्थलों की सफाई कराकर वहाँ रुपये के बिना एक नियम लगाया जाएगा। इसके अलावा अलीगंज 54.51 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यहाँ घटना की व्यवस्था हो सकती है। खुले स्थानों पर कूड़ाइ से कूड़ा डालने पर प्रतिबंध लगाने के लिए जरूरत के मुताबिक डटर्निक रखवाए जाएंगे, जिससे सड़कों पर इधर-उधर कूड़ा बिखरा हुआ न दिखाई पड़े। पुराने कूड़ा स्थलों की सफाई कराकर वहाँ रुपये के बिना एक नियम लगाया जाएगा। इसके अलावा अलीगंज 54.51 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यहाँ घटना की व्यवस्था हो सकती है। खुले स्थानों पर कूड़ाइ से कूड़ा डालने पर प्रतिबंध लगाने के लिए जरूरत के मुताबिक डटर्निक रखवाए जाएंगे, जिससे सड़कों पर इधर-उधर कूड़ा बिखरा हुआ न दिखाई पड़े। पुराने कूड़ा स्थलों की सफाई कराकर वहाँ रुपये के बिना एक नियम लगाया जाएगा। इसके अलावा अलीगंज 54.51 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यहाँ घटना की व्यवस्था हो सकती है। खुले स्थानों पर कूड़ाइ से कूड़ा डालने पर प्रतिबंध लगाने के लिए जरूरत के मुताबिक डटर्निक रखवाए जाएंगे, जिससे सड़कों पर इधर-उधर कूड़ा बिखरा हुआ न दिखाई पड़े। पुराने कूड़ा स्थलों की सफाई कराकर वहाँ रुपये के बिना एक नियम लगाया जाएगा। इसके अलावा अलीगंज 54.51 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यहाँ घटना की व्यवस्था हो सकती है। खुले स्थानों पर कूड़ाइ से कूड़ा डालने पर प्रतिबंध लगाने के लिए जरूरत के मुताबिक डटर्निक रखवाए जाएंगे, जिससे सड़कों पर इधर-उधर कूड़ा बिखरा हुआ न दिखाई पड़े। पुराने कूड़ा स्थलों की सफाई कराकर वहाँ रुपये के बिना एक नियम लगाया जाएगा। इसके अलावा अलीगंज 54.51 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यहाँ घटना की व्यवस्था हो सकती है। खुले स्थानों पर कूड़ाइ से कूड़ा डालने पर प्रतिबंध लगाने के लिए जरूरत के मुताबिक डटर्निक रखवाए जाएंगे, जिससे सड़कों पर इधर-उधर कूड़ा बिखरा हुआ न दिखाई पड़े। पुराने कूड़ा स्थलों की सफाई कराकर वहाँ रुपये के बिना एक नियम लगाया जाएगा। इस



# देश के लिए समर्पित करने में व्यापारी सबसे आगे

## विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। भाजपा और व्यापारी एक-दूसरे के पूरक हैं। भाजपा को सत्ता के शिखर तक पहुंचने का सारा श्रेय व्यापारी समाज को जाता है। वह बात परिवहन मंत्री द्वारा कर रखता है। परिवहन मंत्री रविवार को गोमतीनगर स्थित एक होटल में राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन एवं उद्योग

● उत्कृष्ट कार्य के लिए 10 लोगों को 'भामाशाह रत्न सम्मान' से किया सम्मानित

संवाद के संयुक्त तत्वावधान में दानवीर भामाशाह जयंती समारोह को संवेदनीय कर रहे थे। उन्होंने व्यापारियों को तुलना आधिकारिक भामाशाह के साथ करते हुए कहा कि आज देश के लिए सब कुछ समर्पित करने में व्यापारी वर्ग सबसे आगे है। परिवहन मंत्री ने समाज में उत्कृष्ट कार्य के लिए 10 विभूतियों को 'भामाशाह रत्न सम्मान' से सम्मानित किया। कार्यक्रम में नगर विकास राज्यपाल राजीव राठौर ने कहा कि



मातृभूमि के प्रति अगाध प्रेम था : भामाशाह सदैव अपरिग्रह को जीवन का मूल मंत्र मानकर संग्रहण की प्रवृत्ति से दूर रहने की चेतना जगाने में सदैव अग्रणी है। वह बात लखनऊ व्यापार मंडल के चेयरमैन राजेन्द्र अग्रवाल ने समाजान्तरित किया। इससे पूर्ण दानवीर भामाशाह जयंती के अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि भामाशाह रत्न सम्मान से मातृभूमि

के प्रति अगाध प्रेम था। आज हमारे समाज के जिन व्यापारियों ने निर्वाचित भाव से दान एवं समाज सेवा की है। वह सब उन्होंके आदर्श हैं। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ महामंत्री पवन मंडल के चेयरमैन राजेन्द्र अग्रवाल ने यहां जाने की अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि भामाशाह जयंती का अवसर पर कही।



तत्पश्चात् व्यापारी समाज के दानवीरों, अयोध्या रोड स्थित कार्यालय में भामाशाहोंने समाज सेवा में अपनी अग्रणी भूमिका निभाने वाले व्यापारियों को चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल ने सम्मानित किया।

19 वरिष्ठ व्यापारियों को 'भामाशाह सम्मान' : उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल ने रविवार को

सिंह नारंग, मुशीर आलम लारी, नासिर इकबाल, प्रकाश मोहन भार्गव, नरेश अग्रवाल, कुलदीप यादव, शिव चंद्र गुप्ता, संजय कुमार गुप्ता, संजय जैन, संजय अग्रवाल, ब्रह्म प्रकाश अवर्धी को सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में स्पर्य की कीमत सबसे ज्यादा है। जो लोग किसी दूसरे की भलाई के लिए, किसी दूसरे के कल्याण के लिए तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए अपना अमूल्य साधन दान में दे रहे हैं, वह सब बढ़ाई के पात्र है। कार्यक्रम में संगठन भामाशाह जयंती पर उन्होंने पुण्यजली दी और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को नमन किया। निरालानगर के डॉलोबल होटल में आयोजित समारोह में महानगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने भामाशाह जयंती को व्यापारी कल्याण दिवस के लिए अपना भामाशाह जयंती पर रविवार को आदर्श व्यापार मंडल ने रविवार को अग्रवाल एवं प्रदेश उद्योग व्यापार लखनऊ इकाई के चेयरमैन सुमेर अग्रवाल ने कहा कि आकेएस राजौर, प्रदेश का प्रधान अध्यक्ष मोहम्मद अकजल, नगर अध्यक्ष हजरिजर दिवस सहित कई लोग शामिल थे।

समाज व राष्ट्र के लिए कार्य करने वाला सदियों तक याद किया जाता : उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार लखनऊ इकाई के चेयरमैन सुमेर अग्रवाल ने कहा समाज व राष्ट्र के अधिकारी भाटिया, नरेन्द्र शर्मा, श्याम सुंदर अग्रवाल, हरीश कोहली, गुरुवर

## नृत्य, कथक, शास्त्रीय गायन, बांसुरी वादन में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

लखनऊ। फैकलटी कल्याण एसजीपीजीआई पिछले कई वर्षों से बच्चों में सांस्कृतिक, मानसिक एवं शास्त्रीय विकास हुए समर कैम्प का आयोजन किया जाता रहा है, इस वर्ष लगभग 100 बच्चों ने शिविर में प्रतिभाग किया, शिविर में नाटक, नृत्य, कथक, शास्त्रीय गायन, बांसुरी, शिल्प



अश्वनीसिंह के निर्देशन में बॉलीवुड गाने झूम जा रहा, नगाड़ा नृत्य प्रस्तुत किया। अनामिका मिश्रा के निर्देशन में शास्त्रीय गायन सरस्वती वंदना, राधा तुमकु तुमकु आदि। अविल कम्प के निर्देशक ने नैना श्रीवास्तव के निर्देशन में कथक नृत्य के स्वागत के साथ किया गया। कथक का शुभारंभ संस्थान के निर्देशक डॉ अर. के. धीमान जी के द्वारा दीप प्रज्ञलित करके किया गया, उसके बाद बच्चों ने एसजीपीजीआई के अविल कम्प के निर्देशक नृत्य के साथ किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निर्देशक डॉ अर. के. धीमान जी के द्वारा प्रारंभ किया गया। अविल कम्प के निर्देशक नृत्य के अविल कम्प के निर्देशन में शिल्प कला प्रदेशन एवं अश्वनी वादन के निर्देशन में शिल्प कला निर्देशक नृत्य के अविल कम्प के निर्देशन में 'मस्ती की पाठशाला', 'लखटीकिया हासी' व 'हिरण्यकश्यप', 'लखटीकिया हासी' व 'हिरण्यकश्यप' के नाटकों का मंचन किया।

कार्यक्रम को देखकर दर्शकगण भाव विभर होकर खुद को खड़े होकर बच्चों का अभियान करने से रोक नहीं पाए। अविल कम्प के अंत में निर्देशक महोदय ने बच्चों व प्रशंसकों को पुरस्कार किया। बांसुरी धुन अन्युपम केशव की धुन ने समांबांधित विद्या इकाई अलावा योग्याचार्य अनुषु जी के प्रशिक्षण में योगा प्रस्तुत एवं अश्वनी वादन के निर्देशन में शिल्प कला प्रदेशन एवं अश्वनी वादन के निर्देशन में बैंकिंग पाक कला का प्रस्तुत निर्देशन किया गया। डॉकर्ट्स के बच्चों द्वारा किये गये रंगरंग

कार्यक्रम को देखकर दर्शकगण भाव विभर होकर खुद को खड़े होकर बच्चों का अभियान करने से रोक नहीं पाए। अविल कम्प के अंत में निर्देशक महोदय ने बच्चों व प्रशंसकों को नियुक्त करके भाव विभर होकर बच्चों को अभियान करने के पुरस्कार किया। आईजा प्रणाल, शिल्पा, वेदांत, अबीर, निकिता, अश्विका, अनन्या, इशानी, खुणा, अर्नव, अनंव, दिलिंका, तनिका, अरिजीत, अश्विक, अनिकेत, अनर्दिष्ट, अनिका, नदिनी, अंतिम आदित लगभग 100 बच्चों ने प्रतिभागिता की।

इस वितरण अभियान में दिनेश चन्द्र श्रीवास्तव के निर्देशन में बैंकिंग

## विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। समाज कल्याण की भामाशाह और मानवीय गूल्हों को संवादपर मानने वाली इंडियन हेल्पलाइन सोसायटी द्वारा संचालित बुज की स्टोरी ने रविवार को एक बार

- संवेदना की थाली: बुज की रसाई ने फिर रवाया सेवा का कीर्तिमान: विपिन शर्मा
- हर रविवार सेवा का नया सूरज उगाई है बुज की रसाई

पिर सेवा का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया। अश्वनीया क्षेत्र की मालिन बसितों, निर्माणाल्यों और द्विवारीय शिक्षणों में संस्थानों में कार्यरत श्रमिकों के निवास, शिल्पालयों में निवासरत लगभग 1150 जरूरतमंडल बच्चों, बुजुओं और श्रमिकों को नियुक्त करने के लिए आयोजित किया गया। आईजा प्रणाल, शिल्पा, वेदांत, अबीर, निकिता, अश्विका, अनन्या, इशानी, खुणा, अर्नव, अनंव, दिलिंका, तनिका, अरिजीत, अश्विक, अनिकेत, अनर्दिष्ट, अनिका, नदिनी, अंतिम आदित लगभग 100 बच्चों ने प्रतिभागिता की।

इस वितरण अभियान में दिनेश

चन्द्र श्रीवास्तव के नियुक्त विभाग ने बच्चों को अपनी भाव विभर करते हुए किया गया। यह सेवा के मूल भाव को रेखांकित करते हुए कहा, भाव, भूख के केवल शरीर के बांहों होती, यह आत्मा की पुकार की नहीं होती, यह आत्मा की पुकार है। जो इस पुकार को सुनकर आगे बढ़ता है, वह सच्चे अर्थों में इसानियत की कस्तीटी पर खारा उतारता है।

सेवा-सांस्कृतिक संजय श्रीवास्तव ने कहा कि आयोजनों से सामाजिक समरसता को बढ़ावा देता है।

सेवा-सांस्कृतिक संजय श्रीवास्तव ने कहा कि आयोजनों से सामाजिक समरसता को बढ़ावा देता है।

बस्ती-बस्ती में पहुंचा सेवा का संदर्भ : संस्था की राष्ट्रीय महिलाओं विद्यालय बच्चों मुस्कुराकर थाली लेता है, तो

दामाद सुधीर कुमार के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में नियुक्त भोजन वितरण में अधिक मूल्यावान लगती है सुधीर भागीदारी की। उन्होंने कहा, समाज के जन्मदिवस पर आयोजित आयोजनों में जन्मदिवस के लिए अपने जीवन के यास की द्विगुणीय, नियमानुसारी शिक्षण संस्थानों में कार्यरत श्रमिकों के निवास, तथा जोन-8 क्षेत्र की मालिन बसितों में संगठित रूप से किया गया।

संस्थापक विपिन शर्मा ने सेवा के मूल भाव को रेखांकित करते हुए कहा, भाव, भूख के केवल शरीर के बांहों होती, यह आत्मा की पुकार है। जो इस पुकार को सुनकर आगे बढ़ता है, वह सच्चे अर्थों में इसानियत की कस्तीटी पर खारा उतारता है।

सेवा-सांस्कृतिक संजय श्रीवास्तव ने कहा कि आयोजनों से सामाजिक समरसता को बढ़ावा देता है।

बुज की रसाई का यात्रा आदर्श व्यापार का आयोजन नहीं होता है।









## देश के सपनों की उड़ान

**भा**रत के दूसरे अंतरिक्ष यात्री और अंतर्राष्ट्रीय सेस स्टेनशन में पहुंचने वाले पहले भारतीय शुभाणु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा भारत के सपनों की उड़ान है। देश का सपना अंतरिक्ष में सिर्फ़ एक यात्री को भेजने तक सोभात नहीं है बल्कि वह तो अभी ट्रैकर है।

अंतरिक्ष में भारत के महत्वाकांक्षी योजनाएँ हैं जिसमें गणवान के जरिए चांद की पत्ता देश के अंतरिक्ष यात्रियों को उत्तरान और भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेनशन स्थापित करना है। शुभाणु कैटन शुभाणु शुक्ला की अंतरिक्ष उड़ान भारत इसी महत्वाकांक्षी सपनों और लक्ष्यों का वासिल करने की शुरूआत है। शुभाणु पहले भारतीय है, जो अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेनशन में गए हैं और रास्का शाम के बाद दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं, जो अंतरिक्ष में मानव जीवन की संभावनाओं को टोटोलने की एक दुर्विध यात्रा पर है।

करीब 41 साल बाद कई भारतीय अंतरिक्ष की यात्रा पर गया है। भारत माता के ऐसे लाल को बधाई और शुभकामनाएँ। शुभाणु भारतीय यात्री से गुप्त कैटन हैं और लालकू विहान उड़ा चुके हैं। उन्हें 2000 घटियों में अधिक उड़ान का अनुभव है। अंतरिक्ष मिशन में भी वह परालेट की भूमिका में है। आसान में विचरण करना की बड़ी उड़ान है। गहरा ग्रन्थ अवसर है, जब भारत सकार की कैबिनेट ने प्रसार परिषिकर, तालिया बजारकर, शुभाणु की अंतरिक्ष यात्रा का स्वागत किया है और शुभकामनाएँ दी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें 140



## सही आंकड़ों के लिए जरूरी है घरेलू आय सर्वे

आ

जादो के बाद से अब तक भारत की अर्थव्यवस्था, प्रगति व्यापत आय, विकास, परिवर्तनों की आय और उनके व्यय आदि में अमूल्य चूलू बदल रहे हैं।

लेकिन शहरों और ग्रामीण परिवारों की आय, व्यय और समाजिक सुरक्षा जैसे तापमान मुद्राओं पर भरोसेंद डाटा उल्लंघन न होने के कारण प्रयोग योजनाएँ बनाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अगर भरोसेंद डाटा के अधाव में योजनाएँ बनायी जाती हैं, तो उनको सम्यक रूप से लागू करना और समाज के अधिकारी तबके के व्यक्तित्व तक उनके लाभों को पहुंचाना कठिन होता है। कई बार तो बिना विश्वसनीय डाटा के ऐसी-ऐसी अव्यवहारिक योजनाएँ जैनिका कार्यान्वयन प्रशासनिक मशीनी कागजों पर ही मुकाबला कर देती है। ऐसी योजनाओं का काफ़ी लाभ नहीं होता है। देश में बहुउद्देशीय रिपोर्टों में व्यापक कमी आयी है। जो दिनों विश्व बैंक ने भी इस बात की पुष्टि की है कि भारत में बोते एक दशक में करीब-करीब 27 करोड़ लोग गरीबी से निकलने में कामयाब हुए और अब अन्यतर योगी लोगों की संख्या प्राप्ति तो रही है।

इसके लिए योजनाएँ बने जिससे वे गरीबी के दायरे निकल कर मध्य वर्गीय परिवारों में शामिल हो जायें? इसके लिए व्यापक आंकड़ों की जरूरत है और इसी कमी को पूरा करने के लिए सांस्थायिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 2026 में पहली बार देश में व्यापक घरेलू आय सर्वेक्षण आयोजित करेगा।

सांस्थायिकी पैकं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने व्यापक परिवार आय सर्वेक्षण करने की घोषणा की है जो अपनी वर्च अपर्याप्त हो जाएगी। अखिल भारत के 'मानव अंतरिक्ष मिशन' का पूर्वाधार है। भारत का 'गणवान' 2027 में अंतरिक्ष में जाना प्रस्तावित है। भारत 2035 तक अपना 'अंतरिक्ष स्टेनशन' बनाने की योजना पर कार्रवाई है। 2040 तक चंद्रमा पर होने के अंतरिक्ष मिशन की शुरूआत है। इस योजना के अनुभव महत्वपूर्ण होगा। चंद्रि का 2030 तक आईएसएस से संवाल होना लगभग तय है, तिलाजा निजी कंपनियों अपने अंतरिक्ष स्टेनशन व्यापार करने में जुटी है। जिस 'एसिएम-4' के लिए योजना चार सदस्यीय कमिटी ने विश्व योजना भेजा गया है, वह भी निजी कंपनियों का प्रयोग है।

हालांकि इससे नासा आदि ने मिलकर मिशन को आकर दिया है। शुभाणु ने रूस में, इससे और नासा के अंतरिक्ष केंद्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उसका 2019 में गणवान के लिए भी चयन हो चुका है। बहरहाल मिशन में शुभाणु भारतीय है, शेष तीन अंतरिक्ष यात्री अमेरिका, पोलैंड और हंगरी के निवासी हैं। अमेरिका की पौयो ट्रिहृट्सन अंतरिक्ष में 665 दिन गुरुवर चुकी है, लिलाजा उन्हें मिशन कामांड बनाया गया है। यह भारत, जब बल्कि भारत के 'मानव अंतरिक्ष मिशन' का पूर्वाधार है। भारत का 'गणवान' 2027 में अंतरिक्ष में जाना प्रस्तावित है। भारत 2035 तक अपना 'अंतरिक्ष स्टेनशन' बनाने की योजना पर कार्रवाई है। 2040 तक चंद्रमा पर होने के अंतरिक्ष मिशन की शुरूआत है। इस योजना के अनुभव महत्वपूर्ण होगा। चंद्रि का 2030 तक आईएसएस से संवाल होना लगभग तय है, तिलाजा निजी कंपनियों अपने अंतरिक्ष स्टेनशन व्यापार करने में जुटी है। जिस 'एसिएम-4' के लिए योजना चार सदस्यीय कमिटी ने विश्व योजना भेजा गया है, वह भी निजी कंपनियों का प्रयोग है।

हालांकि इससे नासा आदि ने मिलकर मिशन को आकर दिया है। शुभाणु ने रूस में, इससे और नासा के अंतरिक्ष केंद्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उसका 2019 में गणवान के लिए भी चयन हो चुका है। बहरहाल मिशन में शुभाणु भारतीय है, शेष तीन अंतरिक्ष यात्री अमेरिका, पोलैंड और हंगरी के निवासी हैं। अमेरिका की पौयो ट्रिहृट्सन अंतरिक्ष में 665 दिन गुरुवर चुकी है, लिलाजा उन्हें मिशन कामांड बनाया गया है। यह भारत, जब बल्कि भारत के 'मानव अंतरिक्ष मिशन' का पूर्वाधार है। भारत का 'गणवान' 2027 में अंतरिक्ष में जाना प्रस्तावित है। भारत 2035 तक अपना 'अंतरिक्ष स्टेनशन' बनाने की योजना पर कार्रवाई है। 2040 तक चंद्रमा पर होने के अंतरिक्ष मिशन की शुरूआत है। इस योजना के अनुभव महत्वपूर्ण होगा। चंद्रि का 2030 तक आईएसएस से संवाल होना लगभग तय है, तिलाजा निजी कंपनियों अपने अंतरिक्ष स्टेनशन व्यापार करने में जुटी है। जिस 'एसिएम-4' के लिए योजना चार सदस्यीय कमिटी ने विश्व योजना भेजा गया है, वह भी निजी कंपनियों का प्रयोग है।

हालांकि इससे नासा आदि ने मिलकर मिशन को आकर दिया है। शुभाणु ने रूस में, इससे और नासा के अंतरिक्ष केंद्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उसका 2019 में गणवान के लिए भी चयन हो चुका है। बहरहाल मिशन में शुभाणु भारतीय है, शेष तीन अंतरिक्ष यात्री अमेरिका, पोलैंड और हंगरी के निवासी हैं। अमेरिका की पौयो ट्रिहृट्सन अंतरिक्ष में 665 दिन गुरुवर चुकी है, लिलाजा उन्हें मिशन कामांड बनाया गया है। यह भारत, जब बल्कि भारत के 'मानव अंतरिक्ष मिशन' का पूर्वाधार है। भारत का 'गणवान' 2027 में अंतरिक्ष में जाना प्रस्तावित है। भारत 2035 तक अपना 'अंतरिक्ष स्टेनशन' बनाने की योजना पर कार्रवाई है। 2040 तक चंद्रमा पर होने के अंतरिक्ष मिशन की शुरूआत है। इस योजना के अनुभव महत्वपूर्ण होगा। चंद्रि का 2030 तक आईएसएस से संवाल होना लगभग तय है, तिलाजा निजी कंपनियों अपने अंतरिक्ष स्टेनशन व्यापार करने में जुटी है। जिस 'एसिएम-4' के लिए योजना चार सदस्यीय कमिटी ने विश्व योजना भेजा गया है, वह भी निजी कंपनियों का प्रयोग है।

हालांकि इससे नासा आदि ने मिलकर मिशन को आकर दिया है। शुभाणु ने रूस में, इससे और नासा के अंतरिक्ष केंद्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उसका 2019 में गणवान के लिए भी चयन हो चुका है। बहरहाल मिशन में शुभाणु भारतीय है, शेष तीन अंतरिक्ष यात्री अमेरिका, पोलैंड और हंगरी के निवासी हैं। अमेरिका की पौयो ट्रिहृट्सन अंतरिक्ष में 665 दिन गुरुवर चुकी है, लिलाजा उन्हें मिशन कामांड बनाया गया है। यह भारत, जब बल्कि भारत के 'मानव अंतरिक्ष मिशन' का पूर्वाधार है। भारत का 'गणवान' 2027 में अंतरिक्ष में जाना प्रस्तावित है। भारत 2035 तक अपना 'अंतरिक्ष स्टेनशन' बनाने की योजना पर कार्रवाई है। 2040 तक चंद्रमा पर होने के अंतरिक्ष मिशन की शुरूआत है। इस योजना के अनुभव महत्वपूर्ण होगा। चंद्रि का 2030 तक आईएसएस से संवाल होना लगभग तय है, तिलाजा निजी कंपनियों अपने अंतरिक्ष स्टेनशन व्यापार करने में जुटी है। जिस 'एसिएम-4' के लिए योजना चार सदस्यीय कमिटी ने विश्व योजना भेजा गया है, वह भी निजी कंपनियों का प्रयोग है।

हालांकि इससे नासा आदि ने मिलकर मिशन को आकर दिया है। शुभाणु ने रूस में, इससे और नासा के अंतरिक्ष केंद्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उसका 2019 में गणवान के लिए भी चयन हो चुका है। बहरहाल मिशन में शुभाणु भारतीय है, शेष तीन अंतरिक्ष यात्री अमेरिका, पोलैंड और हंगरी के निवासी हैं। अमेरिका की पौयो ट्रिहृट्सन अंतरिक्ष में 665 दिन गुरुवर चुकी है, लिलाजा उन्हें मिशन कामांड बनाया गया है। यह भारत, जब बल्कि भारत के 'मानव अंतरिक्ष मिशन' का पूर्वाधार है। भारत का 'गणवान' 2027 में अंतरिक्ष में जाना प्रस्तावित है। भारत 2035 तक अपना 'अंतरिक्ष स्टेनशन' बनाने की योजना पर कार्रवाई है। 2040 तक चंद्रमा पर होने के अंतरिक्ष मिशन की शुरूआत है। इस योजना के अनुभव महत्वपूर्ण होगा। चंद्रि का 2030 तक आईएसएस से संवाल होना लगभग तय है, तिलाजा निजी कंपनियों अपने अंतरिक्ष स्टेनशन व्यापार करने में जुटी है। जिस 'एसिएम-4' के लिए योजना चार सदस्यीय कमिटी ने विश्व योजना भेजा गया है, वह भी निजी कंपनियों का प्रयोग है।

हालांकि इससे नासा आदि ने मिलकर मिशन को आकर दिया है। शुभाणु ने रूस में, इससे और नासा के अंतरिक











